ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
आईसीएआर - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान
जोधपुर, राजस्थान

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 10-10-2024

जोधपुर(राजस्थान) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-10-10 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2024-10-11	2024-10-12	2024-10-13	2024-10-14	2024-10-15
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	37.0	37.0	38.0	38.0	38.0
न्यूनतम तापमान(से.)	24.0	25.0	25.0	25.0	25.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	34	32	49	37	32
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	16	16	16	16	14
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	3	7	8	9	10
पवन दिशा (डिग्री)	170	190	218	214	263
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	4	6

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी पांच दिनों में अधिकतम तापमान 37.0 से 38.0 डिग्री सेंटीग्रेड और न्यूनतम तापमान 24.0 से 25.0 डिग्री सेंटीग्रेड रहने की सम्भावना।

सामान्य सलाहकार:

आगामी दिनों में मौसम साफ रहने की सम्भावना है। किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि खरीफ फसलों की कटाई व थ्रैसिंग का कार्य पूरा करें।

लघु संदेश सलाहकार:

आने वाले दिनों में मौसम शुष्क रहने की संभावना ।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
सरसों	किसान भाई सरसों/राया की बुवाई हेतु उन्नत किस्मों जैसे आर.एच -30, बायो-902, आशीर्वाद, सी.एच 54, डी.आर.एम.आर.आई.जे 31 (गिरिरीज), पुसा सरसों 26, पुसा सरसों 27, वाई.एस.एच 0401 (पीली सरसों) एंव आर.जी.एन.145 की व्यवस्था करें। बुवाई हेतु 4-5 किलो ग्राम बीज प्रति हैक्टेयर के लिए पर्याप्त है। तापमान को देखते हुए सरसों की बुवाई अभी ना करें।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चना	किसान भाई चने की बुवाई हेतु उन्नत किस्मों जैसे सी. 235, आर.एस.जी 44, जी.एन.जी 663 वरदान, जी.एन.जी 2144 तीज, जी.एन.जी 2171 मीरा, जी.एन.जी 1488 संगम एंव आर.एस.जी 896 की व्यवस्था करें। बुवाई हेतु 80-100 किलो ग्राम बीज प्रति हैक्टेयर के लिए पर्याप्त है।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
प्याज	प्याज की पौध तैयार करने के लिए क्यारियां तैयार करें। पूसा रेड, नासिक रेड, आर.ओ-252, हिसार प्याज-3, उदयपुर -102, पूसा व्हाइट फलेट व अकोला सफेद प्याज की उन्नत किस्में है। एक हैक्टेयर फसल लगाने के लिए 10 किलो बीज पर्याप्त होता है।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	पशुओं को थनेला रोग से बचाने के लिए दूध निकालने की पूर्ण हस्त विधि का उपयोग करें।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	जहॉ खरीफ की फसले परिपक्व अवस्था में हों वहॉ फसल की कटाई कर खेत खाली करें व सरक्षित नमी में सरसों व चने की बुवाई हेतु खेतों की तैयारी करें। रबी फसलों की तैयारी के लिए खेत की जुताई करने के तुरंत बाद पाटा अवश्य लगाएं ताकि मिट्टी से नमी का ह्रास न हो।